शेर की गुफा

चित्रांकनः सुबीनीता देशप्रभु

Copyright © Language and Learning Foundation 2020
All rights reserved.

जंगल में सियार और सियारिन घूमने निकले। उन्हें एक गुफा दिखाई दी।

वे दोनों अपने बच्चों के साथ
गुफा में रहने लगे।

एक दिन उन्होंने शेर को गुफा की तरफ आते देखा। दोनों को एक उपाय सूझा।

सियारिन ने जोर से आवाज निकाली। शेर डर गया।

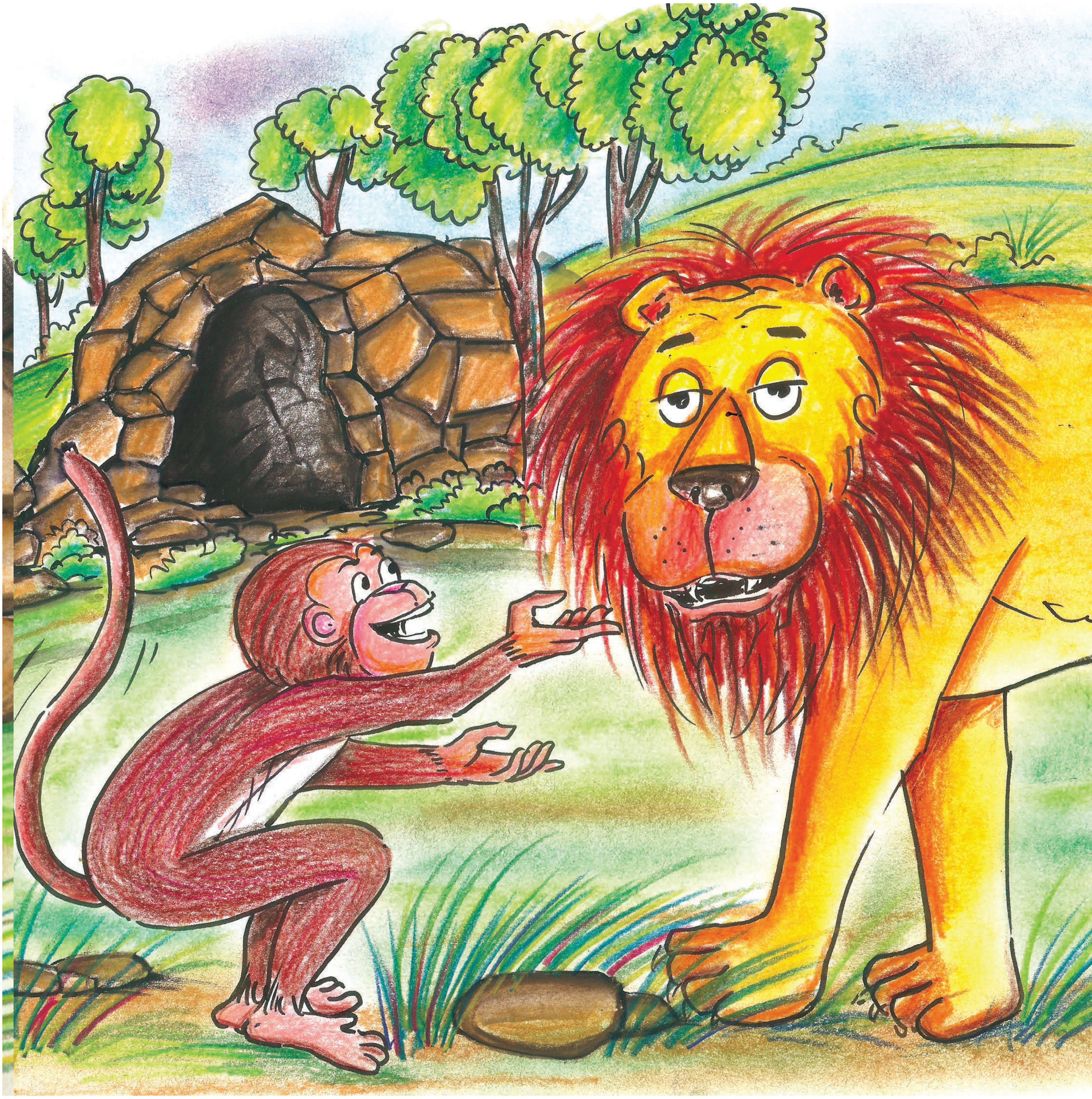

शेर को डरा हुआ देख बंदर बोला– ''डरो मत, वहाँ सियार और सियारिन हैं।''

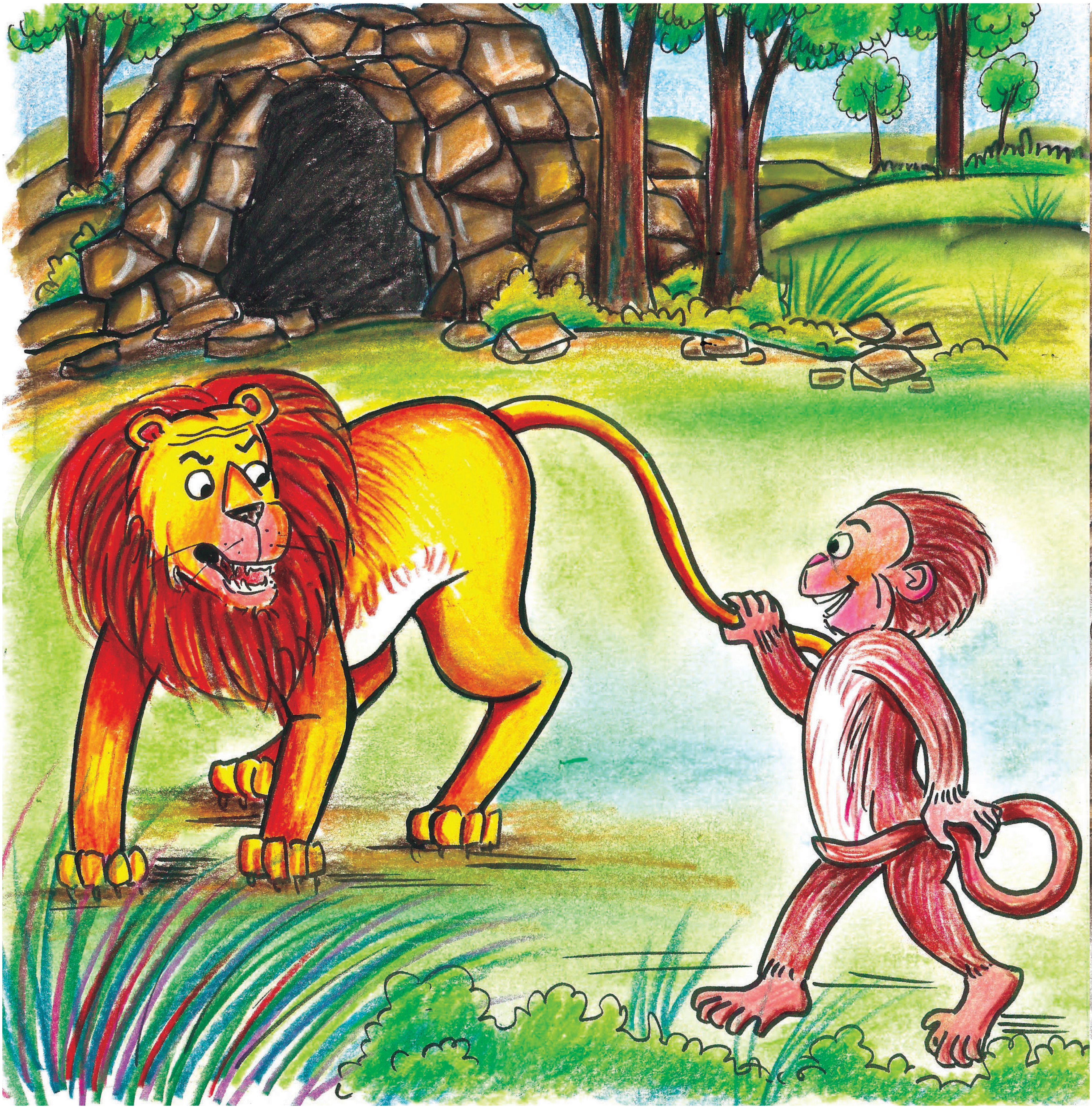

बंदर ने शेर को साथ चलने को कहा।

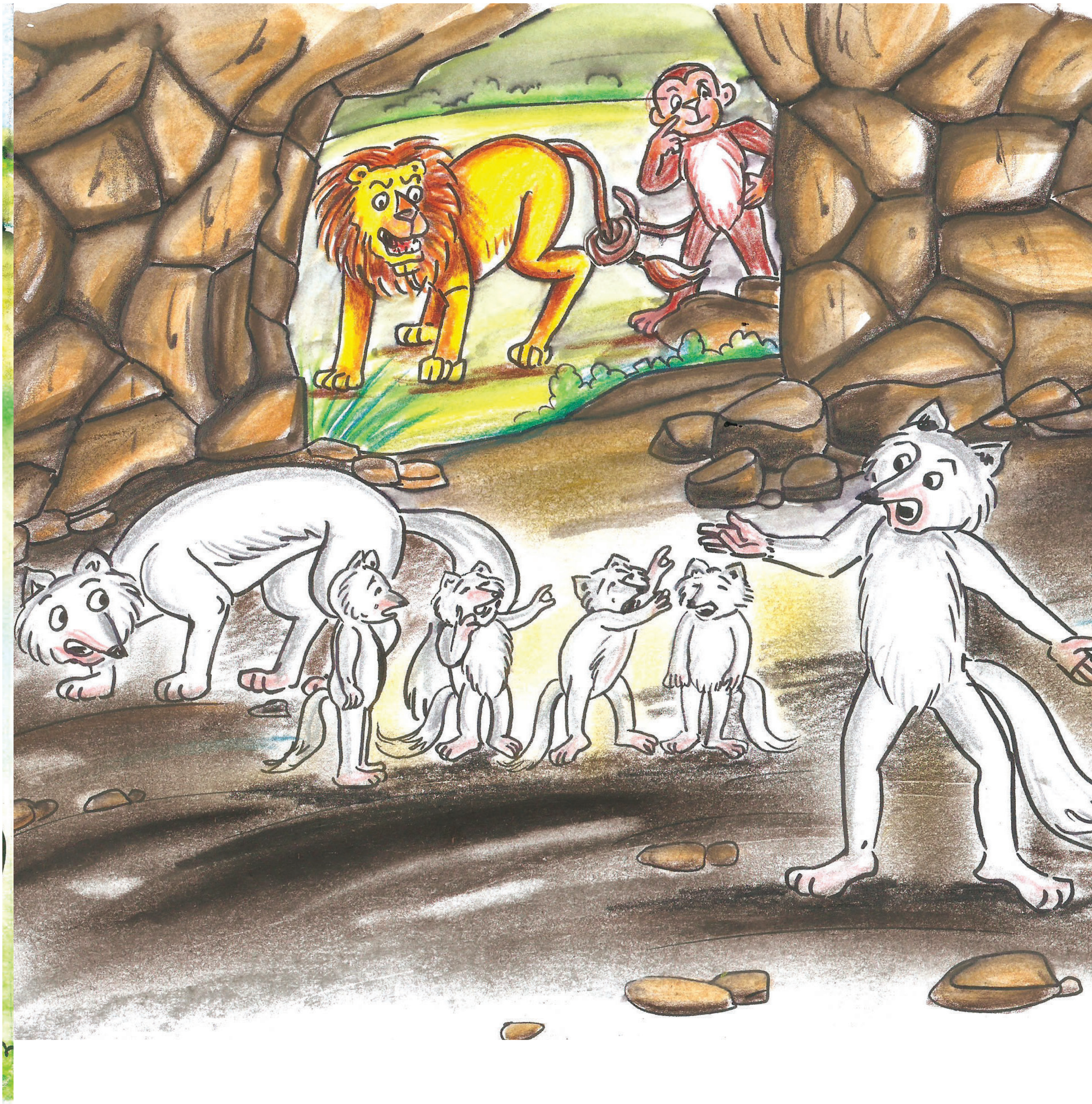

उन्हें आता देख, सियार बच्चों से बोला– ‘‘रो मत! बंदर शिकार लाता ही होगा।’’

यह सुनते ही शेर डरकर भाग गया।

शेर की गुफा

जंगल में सियार और सियारिन घूमने निकले। उन्हें एक गुफा दिखाई दी। वे दोनों अपने बच्चों के साथ गुफा में रहने लगे। एक दिन उन्होंने शेर को गुफा की तरफ आते देखा। दोनों को एक उपाय सूझा। सियारिन ने जोर से आवाज निकाली। शेर डर गया। शेर को डरा हुआ देख बंदर बोला- ''डरो मत, वहाँ सियार और सियारिन हैं।'' बंदर ने शेर को साथ चलने को कहा। उन्हें आता देख, सियार बच्चों से बोला- ''रो मत! बंदर शिकार लाता ही होगा।'' यह सुनते ही शेर डरकर भाग गया।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP